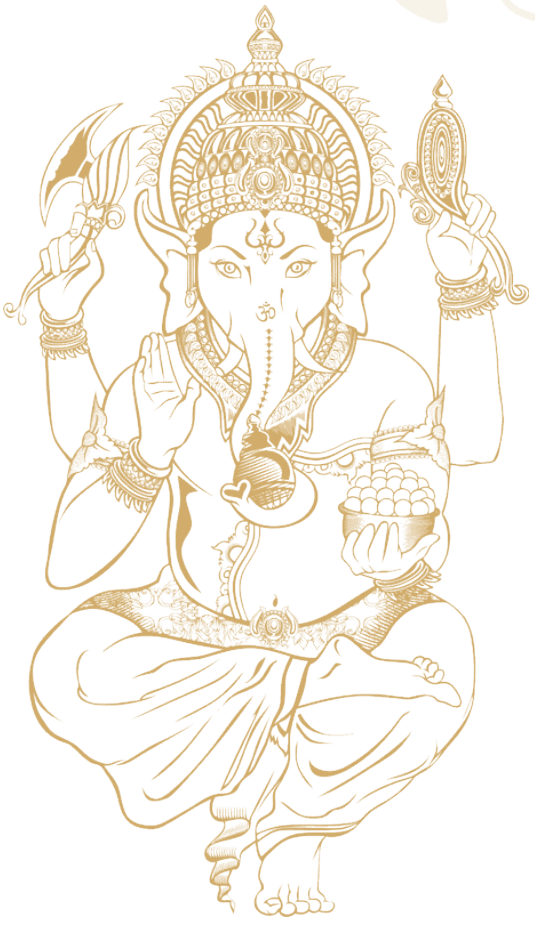

Mr. Shriyank

Ms. Pratiksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121426804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	08/06/2000
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	22:03:00 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	41:46:21 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Sidhi
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	24:24:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	81:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:02:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	05:13:29
18:20:20	सूर्यास्त	18:49:35
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि	25:53:37	सिंह	लग्न	मक	12:26:24	शुक्र 12वर्ष 1मा 23दि
मंगल	09:34:42	मीन	सूर्य	वृष	24:18:51	चन्द्र
16/02/2024	18:03:57	धनु	चंद्र	सिंह	18:34:05	02/08/2018
16/02/2031	19:22:20	कर्क व	मंगल	मिथु	00:51:52	01/08/2028
मंगल 15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	मिथु	18:18:01	चन्द्र 02/06/2019
राहु 02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु	वृष	01:24:17	मंगल 01/01/2020
गुरु 09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	वृष	23:33:55	राहु 02/07/2021
शनि 18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि	वृष	00:13:45	गुरु 01/11/2022
बुध 14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु	कर्क	01:22:24	शनि 02/06/2024
केतु 10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु	मक	01:22:24	बुध 01/11/2025
शुक्र 12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष व	मक	26:52:58	केतु 02/06/2026
सूर्य 18/07/2030	01:25:58	मक	नेप व	मक	12:27:41	शुक्र 01/02/2028
चन्द्र 16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	17:29:40	सूर्य 01/08/2028

लग्न-चलित

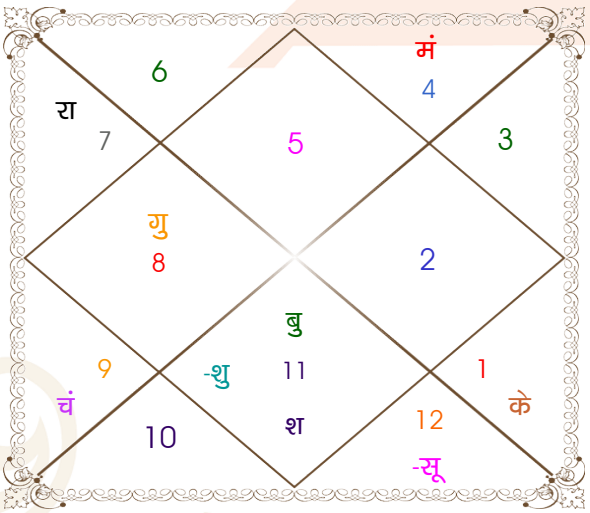

लग्न-चलित

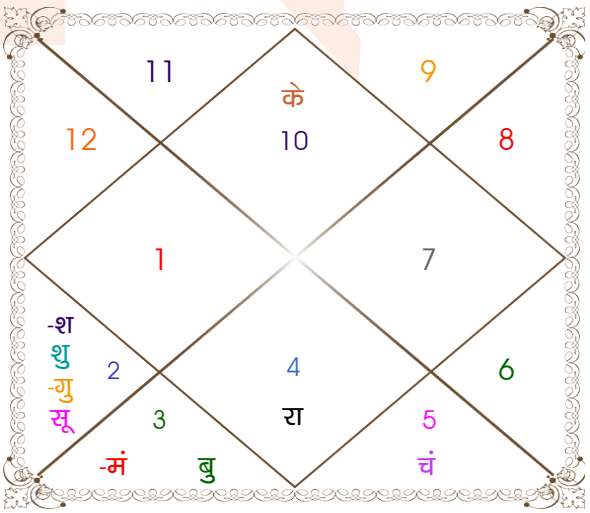

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ैीतपलंदा का वर्ग सर्प है तथा डेण् च्तंजपों का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ैीतपलंदा और डेण् च्तंजपों का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ैीतपलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ैीतपलंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ैीतपलंदा कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण् च्तंजपों मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण् च्तंजपोंी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ैातपलंदा तथा डेण् च्तंजपोंी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।